

कान्हा मुझसे-क्यों रुठ गये
रोती हूँ बस बुलाने को ॥२॥

सूने-सूने पड़े सब झूले sss ॥२॥
सखीं आई बुलाने को ॥२॥

रोती हूँ-----कान्हा-----

देखो माता यशोदा रोई ssss ॥२॥
तरसें वो सुलाने को ॥२॥

रोती हूँ-----कान्हा-----

आज सारी गुजरियाँ रोई ssss ॥२॥
दीध माखन खिलाने को ॥२॥

रोती हूँ-----कान्हा-----

कान्हा इतने बने निर्मोही ssss ॥२॥
यादें आई सुलाने को ॥२॥

रोती हूँ-----कान्हा-----

आजा-आजा श्रीबाबाश्री मैं हारी ssss ॥२॥

मौत आई उठाने को ॥२॥

रोती हूँ-----कान्हा-----